भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 516

उत्तर देने की तारीख: 17.09.2020

बिहार में केन्द्रीय विद्यालय

516 #श्री राम नाथ ठाकुर :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में कितने केन्द्रीय विद्यालयों के पास अपने भवन नहीं हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने स्थान चयन एवं इसके लिए निधि आवंटन करके इन केन्द्रीय विद्यालयों के लिए एक निश्चित समयावधि में भवन उपलब्ध कराने की कोई योजना बनाई है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह लागू होने के किस चरण में है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) आज की तारीख तक, बिहार में 17 केन्द्रीय विद्यालयों के पास अपने भवन नहीं है ये विद्यालय हैं - बेला, हरनौट, झाझा, लखीसराय, बक्सर, मोतिहारी, सीवान, बांका, छपरा, एएफएस (पूर्णिया), सीआरपीएफ (झाफन), गोपालगंज, हाजीपुर, दरभंगा, बरौनी, औरंगाबाद और महाराजगंज।

(ख) और (ग) : केन्द्रीय विद्यालयों के लिए स्थायी भवनों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैस कि उपयुक्त भूमि का निर्धारण, प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविएस) के पक्ष में पट्टेदारी (लीज) औपचारिकताओं का पूरा किया जाना, निर्माण एजेंसी द्वारा नक्शा/अनुमानित लागत प्रस्तुत किया जाना और साथ ही साथ निधियों की उपलब्धता आदि। 3 स्थानों नामत: बेला, हरनौट और झाझा में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पक्ष में भूमि अंतरित की जा चुकी है और वहां निर्माण कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है। शेष 14 स्थानों के मामले में संबंधित प्रायोजक प्राधिकरणों के साथ मामले को नियमित रूप से उठाया जा रहा है।

*****